साहित्य के नये सौंदर्यशास्त्र

सम्पादक

डॉ. भानुबहन ए. वसावा

डॉ. राजेन्द्र कुमार परमार

I.S.B.N. : 978-81-942197-2-9

पुस्तक : साहित्य के नये सौंदर्यशास्त्र

संपादक : डॉ. भानुबहन ए. वसावा, डॉ. राजेन्द्र कुमार परमार

प्रकाशक : ज्ञान प्रकाशन
7/202, एल.आई.जी. आवास विकास,
हंसपुरम, नौबस्ता, कानपुर-208 021 (उ.प्र.)
08004516501, 08299329709 (Mob.)
Email : gyanprakashankanpur@gmail.com

संस्करण : सन् 2019

सर्वाधिकार : संपादकाधीन

मूल्य : ₹ 1050/- मात्र

शब्द-सज्जा : च्वाइस कंप्यूटर ग्राफिक्स, कानपुर

मुद्रक : पूजा ऑफसेट, कानपुर-12

Sahitya Ke Naye Saundaryashastra

Edited by Dr. Bhanubahan A. Vasava
Dr. Rajendrakumar Parmar

Price : Rupees One Thousand Fifty Only

अनुक्रम

✧ भूमिका : साहित्य के नए सौंदर्यशास्त्रों की पहचान 5-8
प्रो. डॉ. रंजना अरगडे

✧ बीज वक्तव्य : नये काव्यशास्त्र/सौंदर्यशास्त्र की आवश्यकता और नये कवि 9-26
दिविक रमेश

छायावादी सौंदर्यशास्त्र

1. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र 31-35
डॉ. शिव प्रसाद शुक्ल

2. छायावादी सौंदर्यशास्त्र 36-39
मित्तल एच. शाह

3. छायावादी सौन्दर्यशास्त्र/काव्य सौन्दर्य और निराला की काव्यदृष्टि 40-52
आरती सिंह क्षत्रिय

4. जयशंकर प्रसाद के काव्य का सौन्दर्यशास्त्र 53-57
अलका सोंदरवा

5. छायावादी सौन्दर्यशास्त्र 58-63
भावना बहन मगनभाई परमार

प्रगतिवादी सौंदर्यशास्त्र

6. हिन्दी उपन्यासों में प्रगतिवादी सौन्दर्य 64-75
डॉ. भानुबहन ए. वसावा

7. लोक सौन्दर्य को शास्त्र में बाँधता प्रगतिवादी सौन्दर्यशास्त्र 76-80
डॉ. राजेन्द्र परमार

8. हम भी शामिल हैं समीक्षाई में 81-84
अनूपा चौहान

9. मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी 85-87
डॉ. दीपक सौंदरवा

10. सौन्दर्यशास्त्र : कसौटी पर 88-91
अनिल कुमार पाण्डेय

11. 'आपका बंटी' उपन्यास में बाल मनोविज्ञान 92-95
सौरभ ब्रह्मभट्ट